निदेशकों की रिपोर्ट

निदेषक मण्डल 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष हेतु लेखापरीक्षित तुलनपत्र और लाभ एवं हानि लेखा सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता है।

1. बैंक का परिचालन

बैंक का कुल कारोबार पिछले वर्ष के 1,33,184 करोड़ रुपए की तुलना में 31 मार्च, 2009 को 1,67,000 करोड़ रुपए पार करके 1,67,434 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। बैंक की कुल जमाराषियां 98,369 करोड़ रुपए रहीं जिनमें 26.35% की वृद्धि दर्ज करते हुए 20,512 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। जमा लागत 7.52%रही। बैंक ने बल्क जमाराषियां न लेने और उसके स्थान पर सामान्य दर पर तथा निम्न लागत वाली जमाराषियां लेने का विवेकपूर्ण निर्णय लिया ताकि बल्क जमाराषियों का स्तर नियंत्रित रखा जा सके। बल्क जमाराषियों का प्रतिषत 31.03.2008 को 27.19% से घटकर 31.03.2009 को 21.75%रह गया। दूसरी ओर, निवल अग्रिम मार्च, 2009 के अंत में 25.54% की वृद्धि दर्ज करते हुए 68500 करोड़ रुपए रहे। राजकोषीय वर्ष 2008-09 के दौरान, अग्रिमों पर आय पिछले वर्ष के 10.25% से बढ़कर 10.82% हो गई। बैंक द्वारा अग्रिमों पर आय बढ़ाने के लिए एसएमई, मध्यम कारपोरेट तथा रिटेल क्षेत्र को ऋण देने के साथ-साथ स्वीकृति/ नवीकरण के समय ब्याज दर बढ़ाने हेतु किए गए उपायों से अग्रिमों पर और अधिक आय बढ़ेगी।

बैंक का ऋण जमा अनुपात मार्च, 2009 के अंत में 70.48% रहा। बैंक ने अर्थव्यवस्था के उत्पादनपरक क्षेत्रों को उपयुक्त एवं पर्याप्त ऋण प्रवाह सुनिष्चित किया। बैंक का ऋण एवं अग्रिम संविभाग सुविस्तृत और संतुलित है। बैंक ने सुनिष्चित किया कि पूँजी बाजार, स्थावर संपदा, एनबीएफसी आदि जैसे संवेदनषील क्षेत्रों को दिए गए ऋण नियामक तथा विवेकपूर्ण सीमा के अन्दर हैं।

2. पूंजी और आरक्षित निधि

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक ने 2008-09 के लाभ में से 676.12 करोड़ रुपए आरक्षित निधियों में अंतरित किए गए (जिनमें 227.00 करोड़ रुपए सांविधिक आरक्षित निधि, 107.00 करोड़ रुपए राजस्व और अन्य आरक्षित निधि 342.12 करोड़ रु. पूंजी आरक्षित निधि में अंतरित किए गए)। इसके अलावा, 2008-09 में परिसंपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के प्रति 951.10 करोड़ रुपए पुनर्मूल्यांकित आरक्षित निधि में अंतरित किए गए। इससे 31 मार्च, 2009 को बैंक की पूंजी एवं आरक्षित निधियां मार्च, 2008 के 5775.90 करोड़ रुपए से बढ़कर 7403.45 करोड़ रुपए हो गईं तथा औसत कार्यषील निधि की तुलना में पूंजी एवं आरक्षित निधि का अनुपात 31.03.2009 को 7.17% रहा जबकि 31 मार्च, 2008 को यह 6.99% था।

3. पूंजी पर्याप्तता अनुपात

31 मार्च, 2009 को बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात, बासेल-II के अंतर्गत 31 मार्च, 2008 के 12.12% (बासेल-I के तहत) की तुलना में 12.98% रहा। यह 9.0% की न्यूनतम नियामक अपेक्षा से काफी अधिक है।

4. वित्तीय कार्यनिष्पादन

राजकोषीय वर्ष 2008-09 के दौरान बैंक की कुल आय पिछले वर्ष की 7454.84 करोड़ रुपए की तुलना में 9927.79 करोड़ रुपए रही और इसमें 2472.95 करोड़ रुपए की वृद्धि (33.17% की वृद्धि) हुई। बैंक का परिचालन लाभ 38.22% की वृद्धि दर्ज करता हुआ पिछले वर्ष के 1219.04 करोड़ रुपए की तुलना में 1684.98 करोड़ रुपए रहा। राजकोषीय वर्ष 2008-09 के दौरान

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors have pleasure in presenting this Annual Report together with the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for the Year ended 31 st March, 2009.

1. BUSINESS OPERATIONS

The Business of the Bank crossed Rs. 167000 crore mark and stood at Rs. 167434 crore on March 31st 2009 as against Rs. 133184 crores in the previous year. Total deposits of the Bank stood at Rs. 98369 crore and have shown an increase of Rs. 20512 crore depicting a growth of 26.35%. Cost of deposit stood at 7.52%. The Bank has taken conscious decision of shedding high cost bulk deposits and substituting the same with normal rate and lower cost deposits so as to contain the level of bulk deposits. The percentage of bulk deposits has declined from 27.19% as on 31.03.2008 to 21.75% as on 31.03.2009. On the other hand, net advances as at end-March 2009 stood at Rs. 68500 crore, registering a growth of Rs. 25.54%. During the fiscal 2008-09, yield on advances has improved to 10.82% from previous year's level of 10.25%. The measures taken up by the bank to improve yield on advances through lending to SME, Mid Corporate and Retail sector besides raising the rate of interest at the time of sanction/renewal will further improve yield on advances.

The credit deposit ratio of the Bank, as at end-March 2009, stood at 70.48% . The Bank ensured adequate flow of credit to the productive sectors of the economy. The Loans & Advances portfolio of the bank is well diversified and balanced. The Bank has ensured that its exposure to sensitive sectors such as Capital Markets, Real Estate, NBFCs etc. is well within the regulatory & prudential cap.

2. CAPITAL & RESERVES

During the year, the bank transferred a sum of Rs. 676.12 crore to Reserves (which includes Rs. 227.00 crore transferred to Statutory Reserves, Rs. 107.00 crore to Revenue and other Reserves, Rs. 342.12 crs. to Capital Reserves) out of the profit for the year 2008-09. Further Rs. 951.10 Crs. was transferred to Revaluation reserves on account of revaluation of properties in 2008-09. With this, capital & reserves as on March 31, 2009 have gone upto Rs.7403.45 crore as against Rs. 5775.90 crore as at end March 2008 and the ratio of Capital & Reserves to average working funds improved to 7.17% as on 31.03.2009 as against 6.99% as on 31st March 2008.

3. CAPITAL ADEQUACY RATIO

As on March 31, 2009 the Capital Adequacy Ratio of the Bank under Basel –II stood at 12.98% as against 12.12% as on 31st March, 2008(under Basel-I). This is well above the regulatory minimum requirement of 9.0%.

4. FINANCIAL PERFORMANCE

The Bank has posted a total income of Rs. 9927.79 crore during the year as against Rs. 7454.84 crore last year thus registering an increase of Rs. 2472.95 crore (a growth of 33.17%) during the fiscal 2008-09. Operating Profit of the Bank went upto Rs. 1684.98 crore as against Rs. 1219.04 crore last year showing a

सभी अपेक्षित प्रावधान करने के बाद बैंक का निवल लाभ 64.48 करोड़ रुपए (7.67% की वृद्धि) दर्ज करते हुए 905.42 करोड़ रुपए रहा।

निवल लाभ में से विनियोजन निम्न तालिका के अनुसार किया गया है :

तालिका - 1: वित्तीय कार्यनिष्पादन

(करोड़ रु0 में)

	31.3.2009	31.3.2008
ब्याज आय	8856.47	6827.19
अन्य आय	1071.32	627.65
कुल आय	9927.79	7454.84
प्रदत्त ब्याज	6859.97	5156.17
परिचालन व्यय	1382.84	1079.63
कुल व्यय	8242.81	6235.80
परिचालन लाभ	1684.98	1219.04
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	779.56	378.10
निवल लाभ	**905.42**	**840.94**
जोड़िए: आगे लाया गया लाभ	**0.51**	**0.42**
घटाइए: बट्टे खाते डाला गया समामेलन समायोजन	—	**487.72**
विनियोजन हेतु उपलब्ध निवल लाभ विनियोजन	**905.93**	**353.64**
सांविधिक आरक्षित निधि में अंतरण	227.00	89.00
राजस्व तथा अन्य आरक्षित निधि में अंतरण	21.00	111.36
आयकर अधिनियम की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत विषेष आरक्षित निधि में अंतरित	86.00	0.00
कर्मचारी कल्याण निधि में अंतरण	15.00	15.00
पूंजी आरक्षित निधि में अंतरण	342.12	0.00
प्रस्तावित लाभांष	182.90	117.76
लाभांष पर कर	31.08	20.01
तुलनपत्र में आगे लाया गया शेष	0.83	0.51

5. लाभांश

आपके बैंक की लाभांष घोषित करने की नीति शेयरधारकों को उचित प्रतिफल देने तथा सुदृढ़ पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने और भावी विकास में सहयोग करने हेतु लाभ के पुनर्निवेष पर आधारित है। तदनुसार, आपके निदेषक 31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए 73% (अर्थात् 7.30 रुपए प्रति शेयर) का कुल लाभांष प्रदान करने की सहर्ष सिफारिष करते है जबकि पिछले वर्ष यह 47% (अर्थात् 4.70 रुपए प्रति शेयर) था।

6 प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण का क्षेत्रवार नियोजन

बैंक द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को दिए गए अग्रिमों में 18.95% की वृद्धि दर्ज करते हुए 3555.24 करोड़ रु. की वृद्धि हुई, जो मार्च, 2008 के 18759.83 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2009 में 22315.07 करोड़ रुपए हो गए।

growth of 38.22%. The Bank has made a net profit of Rs. 905.42 crore, after making all requisite provisions showing an increase of Rs. 64.48 crore (growth of 7.67%) during the fiscal 2008-09.

Appropriation from the Net Profit have been effected as per table given below:-

Table 1 : Financial Performance

(Rupees in crore)

	31.03.2009	31.03.2008
Interest Income	8856.47	6827.19
Other Income	1071.32	627.65
Total Income	9927.79	7454.84
Interest Paid	6859.97	5156.17
Operating Expenses	1382.84	1079.63
Total Expenses	8242.81	6235.80
Operating Profit	1684.98	1219.04
Provisions & Contingencies	779.56	378.10
Net Profit	**905.42**	**840.94**
Add-Profit brought forward	**0.51**	**0.42**
Less-Amalgamation adjustment Written-off	—	**487.72**
Net Profit available for appropriation APPROPRIATION	**905.93**	**353.64**
Transfer to Statutory reserve	227.00	89.00
Transfer to Revenue and Other reserves	21.00	111.36
Transfer to Special Reserve u/s 36(1) (viii) of I-T Act	86.00	0.00
Transfer to staff welfare fund	15.00	15.00
Transfer to capital reserve	342.12	0.00
Proposed Dividend	182.90	117.76
Tax on Dividend	31.08	20.01
Balance carried over to Balance Sheet	0.83	0.51

5. DIVIDEND

Your Bank's policy of declaring dividend is to reward the share holders as well as to plough back profit for maintaining a healthy capital adequacy ratio & for supporting future growth. Accordingly, your Directors are pleased to propose a total dividend of 73% (i.e Rs. 7.30 per share)for the year ended 31st March, 2009 as against 47%(i.e. Rs. 4.70 per share) paid for the preceeding year.

6. SECTORAL DEPLOYMENT OF CREDIT TO PRIORITY SECTOR

Bank's advances to priority sector increased by Rs. 3555.24 crore from Rs. 18759.83 crore in March 2008 to Rs. 22315.07 crore in March 2009 registering a growth of 18.95%. The Priority Sector

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम, 40% की अपेक्षा की तुलना में बैंक के समायोजित निवल बैंक ऋणों (एएनबीसी) के 40.90% रहे । मार्च, 2008 तथा मार्च, 2009 के अंत में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के विभिन्न खंडों के अंतर्गत अग्रिमों की तुलनात्मक स्थिति निम्नानुसार हैः

(राषि करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	क्षेत्र	मार्च, 2008	मार्च, 2009
1	प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण	18759.83	22315.07
2	कृषि	6930.05	8614.03
	प्रत्यक्ष कृषि	3463.91	4644.43
	अप्रत्यक्ष कृषि	3466.14	3969.60
3	लघु उद्योग /लघु उद्यम	5015.05	5576.33
4	षिक्षा ऋण	568.75	767.97
5	आवास ऋण	5244.87	6197.17
6	अन्य प्राथमिकता क्षेत्र	1001.11	1159.57

6.1 कृषि अग्रिम

कृषि क्षेत्र को बैंक के अग्रिम में 24.30% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1683.98 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो मार्च, 2008 के 6930.05 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2009 में 8614.03 करोड़ रुपए हो गए। प्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों में 34.08% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1180.52 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो 31.03.2008 के 3463.91 करोड़ रुपए से बढ़कर 31.03.2009 को 4644.43 करोड़ रुपए हो गए। अप्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों में 14.53% की वृद्धि दर्ज करते हुए 503.46 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो 31.3.2008 के 3466.14 करोड़ रुपए से बढ़कर 31.3.2009 को 3969.60 करोड़ रु. हो गए।

6.1.1 कृषि क्षेत्र को ऋण प्रवाह (नए संवितरण)

वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान कृषि क्षेत्र को 3765.57 करोड़ रु0 के ऋण दिए गए। इस वर्ष के दौरान, कुल 93838 नए कृषि ऋण खाते खोले गए। इसमें प्रति ग्रामीण व अर्ध–षहरी शाखा औसतन 151 नए कृषि ऋण खाते जोड़े गए।

6.1.2 हाई-टैक डेयरी

बैंक हाई-टैक वाणिज्यिक डेयरी योजना के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा राज्यों में ग्रामीण युवाओं को स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने हेतु ऋण प्रदान कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत पंजाब डेयरी विकास बोर्ड /पषु पालन एवं डेयरी विकास हरियाणा बेरोजगार युवकों को उनके कौषल उन्नयन के लिए एक माह का प्रषिक्षण देता है। 31.03.2009 को 531 इकाइयों को 58.17 करोड़ रुपए की राषि स्वीकृत की गई थी ।

6.1.3 ओरियन्टल सौर ऊर्जा दोहन योजना

जीवाष्म ईंधन संसाधन सीमित मात्रा में हैं तथा तेजी से घट रहे हैं । गरीब व्यक्ति घरों में रोषनी के लिए मिट्टी का तेल इस्तेमाल करते हैं । ग्रिड इलैक्ट्रिक पावर आपूर्ति न होने के कारण ग्रामीण लोगों को घर में रोषनी करने में कठिनाई होती है। यदि बिजली की आपूर्ति होती भी है, तो ग्रामीण

Advances constituted 40.90% of the Adjusted Net Bank Credit (ANBC) against the stipulation of 40%. The comparative position of advances under various segments under Priority Sector as at the end of March 2008 and March 2009 is as follows:

(Amount Rs. in crore)

S. No.	Sectors	March 2008	March 2009
1.	Priority sector credit	18759.83	22315.07
2.	Agriculture	6930.05	8614.03
	Direct Agriculture	3463.91	4644.43
	Indirect Agriculture	3466.14	3969.60
3.	SSI / SE	5015.05	5576.33
4.	Educational Loan	568.75	767.97
5.	Housing Loan	5244.87	6197.17
6.	Other P.S.	1001.11	1159.57

6.1 Agriculture Advances

Bank's advances to agriculture increased by Rs.1683.98 crore from Rs.6930.05 crore in March 2008 to Rs.8614.03 crore in March 2009, registering a growth of 24.30%. The advances to direct agriculture segment increased by Rs.1180.52 crore from Rs.3463.91 crore as on 31.3.2008 to Rs.4644.43 crore as on 31.3.2009 constituting a growth of 34.08%. The Indirect agriculture advances increased by Rs.503.46 crore from Rs.3466.14 crore as on 31.3.2008 to Rs.3969.60 crore as on 31.3.2009 showing an increase of 14.53%.

6.1.1 Flow of credit to Agriculture sector (Fresh disbursement)

During the financial year 2008-09, fresh flow of credit to agriculture sector amounted to Rs. 3765.57 crore. During the year, a total of 93838 new agriculture loan accounts were added. There was an average addition of 151 new agriculture loan accounts per rural and semi-urban branch.

6.1.2 Hi-Tech Dairy

The bank is providing credit to rural youths for their self employment under Hi Tech commercial dairy scheme in Punjab & Haryana states. Under the scheme Punjab Dairy Development Board / Animal Husbandry & Dairying department Haryana impart one month training to unemployed youth for their skill up gradation. As on 31.03.09, an amount of Rs. 58.17 Crore has been sanctioned to 531 units.

6.1.3 Oriental Saur Urja Dohan Scheme

The fossil fuel resources are limited in quantity and are fast depleting. The poor use Kerosene as common fuel for lighting. The rural people face problem of home lighting due to non-availability of grid electric power supply. Even if there is power

क्षेत्रों में बार-बार बिजली की कटौती तथा कम वोल्टेज की समस्या लगातार बनी रहती है। इन समस्याओं से निपटने के लिए, बैंक ऊर्जा के पारम्परिक स्रोत के व्यावहारिक विकल्प के रूप में, सौर जल तापन और प्रकाषन पद्धति के वित्तपोषण हेतु एक योजना को क्रियान्वित कर रहा है। यह योजना व्यक्तिगत, संस्थागत, वाणिज्यिक और औद्योगिक प्रयोक्ताओं के लिए उपलब्ध है।

बैंक आईआरईडीए की एमएनआरई योजना के अंतर्गत ऊर्जा जल तापन पद्धति के लिए भी ऋण प्रदान कर रहा है। बैंक ने एमएनआरई गठबंधन के अंतर्गत ऊर्जा जल तापन पद्धति के लिए 24.05 लाख रु0 के ऋण प्रदान किए और बैंक ने वर्ष के दौरान 4.57 लाख रु0 की इमदाद राषि का दावा किया।

6.1.4 लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई)

मार्च, 2009 के अंत में बैंक द्वारा लघु उद्योग क्षेत्र को दिए गए अग्रिम 5576.33 करोड़ रुपए रहे और इनमें 11.19% की वृद्धि दर दर्ज करते हुए 561.28 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, एसएमई अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 20% की अपेक्षित वृद्धि की तुलना में 11.45% की वृद्धि दर्ज करते हुए 713.16 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो बढ़कर 6941.33 करोड़ रुपए हो गए। अति लघु/सूक्ष्म (माइक्रो) क्षेत्र के अग्रिमों में 5.69% की वृद्धि दर्ज करते हुए 75.63 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो बढ़कर 1403.93 करोड़ रुपए हो गए।

बैंक ने ऋण देने हेतु प्रस्तावों पर बाह्य स्त्रोतों से कार्रवाई करवाने के लिए एनएसआईसी के साथ समझौता किया। बैंक ने अपने एसएमई ऋणियों को कम दरों पर व्यापक रेटिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए एसएमई रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लि. (समेरा) के साथ समझौता व्यवस्था की।

6.1.5 ओरियन्टल ग्रीन कार्ड (किसान क्रेडिट कार्ड)

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा किसानों को फसल उत्पादन हेतु, ऋण आवश्यकता कृषि मषीनरी एवं संयंत्रों की मरम्मत, संबंद्ध क्रियाकलापों हेतु कार्यषील पूँजी, गैर-संस्थापरक साहूकारों से लिए गए उनके पुराने ऋण चुकाने व उपभोग आवष्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण प्रदान करने की दृष्टि से 67,738 कार्ड जारी किए गए। इस वर्ष के दौरान, इन कार्डों के जरिए 912.70 करोड़ रु. के ऋण संवितरित किए गए। वित्तीय वर्ष 2008-2009 के अंत में किसानों को जारी किए गए कार्डों की कुल संख्या बढ़कर 5,63,013 हो गई।

6.1.6 ओरियन्टल किसान गोल्ड कार्ड (ओकेजीसी)

बैंक किसान की कार्यषील पूँजी व निवेष ऋण संबंधी आवष्यकता को पूरा करने के लिए ओरियन्टल किसान गोल्ड कार्ड (ओकेजीसी) जारी करता है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान, प्रगति शील किसानों को 859 ओरियन्टल किसान गोल्ड कार्ड जारी किए तथा कुल 25.54 करोड़ रु. के ऋण संवितरित किए।

6.1.7 ओरियन्टल बैंक ग्रामीण परियोजना (ओबीजीपी)

बैंक अपने स्तर पर विकसित सूक्ष्म वित्त मॉडल अर्थात् ओरियन्टल बैंक ग्रामीण परियोजना के अंतर्गत वित्त प्रदान कर रहा है। यह संयुक्त देयता समूह अवधारणा, जिसमें प्रत्येक समूह में 5 सदस्य, विषेषकर महिलाएं शामिल हैं। के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। बैंक ने 3721 स्वयं सहायता समूह बनाए हैं जो 318 गांवों के जरिए 17221 ग्रामीण परिवारों तक पहुंचे हुए हैं। मार्च, 2009 के अंत तक इन समूहों को दिए गए अग्रिमों की कुल राषि 27.76 करोड़ रुपए रही। इन स्वयं सहायता समूहों द्वारा 7.51 करोड़ रुपए की बचत राषि जुटाई गई है।

supply, frequent load shedding and low voltage is a regular phenomenon in rural areas. To overcome these problems the bank is implementing a scheme for financing solar water heating & lighting system, for creating a viable alternate to conventional source of energy. The scheme is open to individual, institutional, commercial and industrial users.

Bank is also providing loan for solar water heating system, under MNRE scheme of IREDA. The bank finance for Solar Water Heating System amounted to Rs.24.05 Lac under MNRE tie up arrangement and bank claimed subsidy of Rs.4.57 Lac during the year.

6.1.4 Small and Medium Enterprises (SMEs)

Bank's exposure to Small Enterprises sector stood at Rs.5576.33 crore at the end of March 2009 and has shown an increase of Rs.561.28 crore, recording a growth rate of 11.19%. Further, SME advances increased by Rs. 713.16 crore to Rs.6941.33 crore registering a growth of 11.45% against the Year-on-Year growth stipulation of 20%. The Tiny/ Micro sector advances increased by Rs.75.63 crore to Rs.1403.93 crore posting a growth of 5.69%.

Bank has entered into a MoU with NSIC for outsourcing credit proposals for lending. The Bank has entered into a tie-up arrangement with SME Rating Agency of India Ltd. (SMERA) for providing comprehensive rating services of SME borrowers of the Bank at subsidized rates.

6.1.5 Oriental Green Card (Kisan Credit Card)

During the Financial Year 2008-09, Bank has issued 67,738 cards to farmers to meet their credit requirement for crop production, repairing of agricultural machinery & equipment, working capital for allied activities, to repay their old debts taken from non institutional money lenders and consumption needs. The total amount of loan disbursed through these cards during the year was Rs.912.70 crore. At the end of financial year 2008-09, the total number of cards issued to farmers rose to 5,63,013.

6.1.6 Oriental Kisan Gold Card (OKGC)

Bank is issuing Oriental Kisan Gold Card to progressive farmers in order to meet their working capital as well as investment needs. Bank has issued 859 OKGC to progressive farmers and disbursed an aggregate amount of Rs.25.54 crore during the financial year 2008-09.

6.1.7 Oriental Bank Grameen Project (OBGP)

Bank is providing finance to rural poor under home grown model of micro finance viz. Oriental Bank Grameen Project. It is being implemented through Joint Liability Group concept consisting of 5 members in each group, preferably women. The Bank has formed 3721 Groups reaching out to 17221 poor families spread across 318 villages. The cumulative amount advanced to these groups as at the end of March 2009 was Rs. 27.76 crore. Savings to the tune of Rs. 7.51 crore have been mobilized by the groups.

बैंक ने भारतीय जीवन बीमा कंपनी (एलआईसी) की सामाजिक सुरक्षा समूह बीमा योजना जनश्री बीमा योजना में भी भाग लिया। जनश्री बीमा योजना को असंगठित क्षेत्र की महिलाओं को जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा प्रदान करने के उद्देष्य से प्रारंभ किया गया था। तत्पष्चात् वित्त मंत्रालय ने बैंक को सूचित किया कि वे इस योजना के अंतर्गत सभी मौजूदा ऋण संबंद्ध महिला स्वयं सहायता समूहों को कवर करें। बैंक ने दिसंबर, 2008 माह में योजना आरंभ की तथा 31.03.2009 के अनुसार 442 स्वयं सहायता समूहों के 1526 सदस्यों को योजना के अंतर्गत कवर किया गया।

6.1.8 कमजोर वर्ग को अग्रिम

कमजोर वर्गों को, जिनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, लघु एवं सीमांत किसान, भूमिहीन श्रमिक,ग्रामीण षिल्पकार, सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं (पीएमआरवाई को छोड़कर) के लाभग्राही शामिल हैं, दिए गए अग्रिम मार्च, 2008 के अंत में 2337 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2009 के अंत में 3018.71 करोड़ रुपए हो गए।

6.1.9 विभेदक ब्याज दर योजना के अंतर्गत ऋण

मार्च, 2009 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 18000/-रुपए तक है एवं शहरी क्षेत्रों में जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 24,000/- रुपए तक है, इन दोनों केन्द्रों में समाज के निम्न आय वर्ग के लोगों को 4% वार्षिक की रियायती ब्याज दर पर 105.68 करोड़ रुपए के ऋण प्रदान किए गए।

6.1.10 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों को ऋण

बैंक द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लाभग्राहियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने पर जोर दिया जाता रहा। बैंक द्वारा समाज के इन वर्गों के दिए गए अग्रिम मार्च, 2008 के 452.402 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2009 में 483.03 करोड़ रुपए हो गए।

6.1.11 प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमइजीपी)

यह योजना भारत सरकार द्वारा दो मौजूदा योजनाओं अर्थात् पीएमआरवाई और आरईजीपी को मिलाकर 1 अप्रैल 2008 से कार्यान्वित की गई है। इसका उद्देष्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों दोनों में सूक्ष्म उद्यम स्थापित करके रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत बैंक द्वारा वर्ष 2008-09 के दौरान 333 आवेदकों को 20.21 करोड़ रुपए की ऋण सहायता प्रदान की गई।

6.1.12 स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाई)

स्वरोजगार उद्यमों की स्थापना करके शहरी गरीबों (शहरी गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले) को लाभप्रद रोजगार मुहैया करवाने के लिए बैंक इस योजना के प्रारंभ से ही, उक्त योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। बैंक ने वर्ष 2008-09 के दौरान 2488 लाभग्राहियों को 8.83 करोड़ रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की।

6.1.13 स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई)

यह योजना देष के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही है और इसमें स्वरोजगार के पहलुओं जैसे ग्रामीण निर्धनों को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित करना, प्रषिक्षण, ऋण प्रौद्योगिकी, मूलभूत सुविधाएं व मार्किटिंग शामिल हैं। बैंक इस योजना में भाग ले रहा है। वर्ष 2008-09 के दौरान, बैंक ने 1712 वैयक्तिक स्वरोजगारियों को 6.83 करोड़ रुपए तथा 350 स्वयं सहायता समूहों को 5.77 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की।

Bank has also participated in the Janashree Bima Yojana a social security group insurance scheme of Life Insurance Company of India (LIC). The JBY scheme was launched with the aim of providing life and accidental cover to women belonging to the un-organised sector. Subsequently, Ministry of Finance, advised Bank to cover all the existing credit linked women SHGs under the scheme. The scheme was launched by Bank in the month of December 2008 and as on 31.03.2009, 1526 members of 442 SHGs were covered under the scheme.

6.1.8 Advances to Weaker Sections

Advances to weaker sections, consisting of beneficiaries belonging to scheduled castes/scheduled tribes, small and marginal farmers, landless labourers, rural artisans, beneficiaries under Govt. Sponsored schemes (except PMRY) were of the order of Rs. 3018.71 crore as at the end of March 2009 as against Rs. 2337 crore as at the end of March 2008.

6.1.9 Credit under Differential Rate of Interest Scheme

Credit flow at concessional rate of interest of 4% p.a. to the low-income group of the society both in rural centres having annual family income upto Rs. 18,000/- and urban centres having annual family income upto Rs. 24,000/- was Rs. 105.68 crore as at the end of March 2009.

6.1.10 Loans to SCs/STs

Bank continues its thrust in providing financial assistance to SCs/STs beneficiaries. The advances to these beneficiaries improved to Rs.483.03 crore in March 2009 against Rs. 452.40 crore as at the end of March 2008.

6.1.11 Prime Minister Employment Generation Programme (PMEGP)

The Scheme has been implemented by the Government of India by merging the two existing schemes viz. PMRY and REGP w.e.f. 1st April 2008. The scheme aims for generation of employment opportunities through establishment of micro enterprises in rural as well as urban areas. The bank has provided financial assistance to the tune to Rs.20.21 crores to 333 applicants under the scheme during the year 2008-09.

6.1.12. Swaran Jyanti Shahri Rojgar Yojana(SJSRY)

For providing gainful employment to urban poor (living below the urban poverty line) through setting up self employment ventures, bank is providing financial assistance under the scheme since its inception. The bank financed to 2488 beneficiaries to the tune of Rs.8.83 crores during 2008-09.

6.1.13 Swarn Jyanti Gram Swarojgar Yojana (SGSY)

The scheme is operative in rural areas of the country and covers the aspects of self employment such as organization of rural poor into Self Help Groups (SHGs) training ,credit technology, infrastructure and marketing. The bank is participating in the schemes. During 2008-09, bank provided financial assistance to 1712 individuals swarojgaries to the tune of Rs.6.83 crore and 350 SHGs to the tune of Rs.5.77 crores.

6.1.14 महिला लाभग्राहियों को ऋण

महिलाएं बड़े उत्तरदायित्व संभाल रही हैं तथा देष के आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहीं हैं परन्तु देष की वित्तीय संस्थाओं से ऋण नहीं ले पाती हैं। अत: महिलाओं को अधिकाधिक ऋण प्रदान करने के लिए बैंक ने भारत सरकार के निर्देषानुसार महिलाओं को अधिक ऋण प्रदान करने हेतु 14 सूत्री कार्य योजना को कार्यान्वित किया है। बैंक द्वारा महिला उद्यमियों के लिए विषेषीकृत शाखाओं के रूप में 10 शाखाओं को नामित किया गया। बैंक द्वारा ओरियन्टल महिला विकास योजना, व्यावसायिक एवं स्वनियोजित महिलाओं के लिए ऋण योजना, ब्यूटी पार्लरों/बुटीक/सैलूनों/दर्जी की दुकानों के लिए ऋण योजना, कामकाजी महिलाओं को वित्तीय सहायता हेतु योजना, ओरियन्टल स्वर्ण योजना आदि जैसी कई ऋण योजनाएं विषेष रुप से महिलाओं के लिए तैयार की गईं हैं। इसके अलावा, ओरियन्टल बैंक ग्रामीण प्रोजेक्ट (ओबीजीपी) नामक एक विषेष योजना में ग्रामीण निर्धन महिलाओं को सभी प्रकार की बैंकिंग सहायता प्रदान की जाती है।

इसके परिणामस्वरुप, बैंक द्वारा महिलाओं को दिए गए अग्रिमों में 14.65% की वृद्धि दर्ज करते हुए 373.11 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई जो मार्च, 2008 के अंत में 2547.43 करोड़ रुपए से बढ़कर मार्च, 2009 में 2920.54 करोड़ रुपए हो गए। बैंक द्वारा महिला लाभग्राहियों को दिए गए अग्रिम, 5% की अपेक्षा के मुकाबले मार्च, 2009 को एएनबीसी के 5.35% रहे।

6.1.15 वित्तीय समावेशन

औपचारिक वित्तीय क्षेत्र से वंचित समाज के विभिन्न वर्गों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने की दृष्टि से, बैंक वित्तीय समावेषन की नीति को कार्यान्वित कर रहा है। बैंक ने वित्तीय समावेषन हेतु त्रिआयामी नीतियां अपनाई हैं। पहली, बैंक की ग्रामीण शाखाओं ने वित्तीय समावेषन हेतु ग्रामों को अंगीकार किया। दूसरे, बैंक के दोनों अग्रणी जिलों ने स्वेच्छा से 100% वित्तीय समावेषन हेतु पहल की। तृतीय, बैंक की शाखाओं ने संबंधित एसएलबीसी द्वारा चयनित जिलों में भाग लिया।

ग्राम अंगीकरण योजना के तहत बैंक ने मार्च 2009 को 1966 ग्राम अंगीकार किए जिनमें 13,33,107 घर हैं। बैंक ने 1832 ग्राम जिनमें 10,46,758 घर हैं, में सामान्य जमा/ऋण योजनाओं के अंतर्गत 6,33,836 खाते और नो-फ्रिल्स बचत योजना के अंतर्गत 2,20,079 खाते खोले। बैंक के अग्रणी जिले, फिरोजपुर में बैंक ने 997 गांवों और 156 वार्डों में 2,89,896 घरों में 100% वित्तीय समावेशन पूरा किया और 45292 नो–फ्रिल्स खाते खोले। बैंक ने श्रीगंगानगर जिले में 3031 ग्रामों और 231 वार्डों जिनमें 3,22,270 घर हैं, में 100% वित्तीय समावेषन पूरा किया और 69,316 नए खाते खोले।

इसके अतिरिक्त बैंक ने 5 जिलों अर्थात् सिंगमपुनरी, बठिण्डा, अमृतसर, गुरुदासपुर और देहरादून में स्मार्ट कार्ड प्रदान करके वित्तीय समावेषन कार्यान्वित करने का पायलेट प्रोजेक्ट शुरु किया है। अब तक 8915 स्मार्ट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा अमृतसर के 6 ब्लाकों अर्थात् जांडियाला गुरु, हर्षा छीना, वेरका, छोगवान, रय्या और तरसिक्का में भी वित्तीय समावेषन पायलेट प्रोजेक्ट लागू किया गया है। बैंक ने मुक्तसर जिले में भी वित्तीय समावेषन के लिए प्रोजेक्ट आरम्भ किया है और ओखला सब्जी मंडी के सब्जी विक्रेताओं को बायोमेट्रिक कार्ड जारी करके वित्तीय समावेषन के क्षेत्र को और बढ़ाया जा रहा है।

6.1.14 Credit Flow to Women Beneficiaries

Women are assuming greater responsibilities and playing an active role in the economic growth of the nation but remain under-represented while receiving the credit delivery from the Financial Institutions of the country. So, for strengthening of credit flow to women, Bank has implemented 14-points action plan as advised by the Government of India. Bank has designated 10 branches as specialized branches for women entrepreneurs. A number of credit schemes, such as Oriental Mahila Vikas Yojana, Loan scheme for Professional & Self Employed Women, Loan scheme for Beauty Parlour/ Boutiques/ Saloons/ Tailoring, Scheme for Financing Working Women, Oriental Swaran Yojana etc. are designed by the bank especially for women. Besides, a special project called Oriental Bank Grameen Project (OBGP) provides all types of banking assistance to the rural poor women.

As a result the Bank's advance to women increased by Rs. 373.11 crore from Rs. 2547.43 crore as on March 2008 to Rs. 2920.54 crore as on March 2009 registering a growth of 14.65%. Bank's advances to women beneficiaries as on March 2009 was 5.35% of ANBC against the required stipulation of 5%.

6.1.15 Financial Inclusion

With a view to provide banking facilities to the sections of society so far deprived from the formal financial sector, bank implemented financial inclusion policy. Bank adopted three pronged strategies for financial inclusion. First, rural branches of the bank adopted villages for financial inclusion. Second, both Lead Districts of the bank volunteered for 100% financial inclusion. Third, banks branches participated in districts identified by the respective SLBCs.

Under village adoption scheme as on March, 2009, bank adopted 1966 villages having 13,33,107 households. Bank has achieved 100% financial inclusion in 1832 villages covering 10,46,758 households and opened 6,33,836 accounts under normal deposit/loan schemes and 2,20,079 accounts under no-frills savings scheme. In Bank's Lead District Ferozepur, Bank completed 100% financial inclusion in 997 villages and 156 wards having 2,89,896 households and opened 45292 no-frills accounts. In Sriganganagar District, Bank completed 100% financial inclusion in 3031 villages and 231 wards having 3,22,270 households and opened 69,316 new accounts.

Further, Bank has started a pilot project of implementing Financial Inclusion by providing smart cards in 5 districts namely Singampuneri, Bathinda, Amritsar, Gurdaspur and Dehradun. 8915 smart cards have already been issued. Further the pilot project for Financial Inclusion has been extended to 6 blocks in Amritsar namely Jandiala Guru, Harsha Chhina, Verka, Chogawan, Rayya and Tarsikka. The Bank has also started project for Financial Inclusion in district Muktsar and are further covering vegetable vendors at Okhla subzi mandi by issuing Biometric Cards to them to increase the domain in Financial Inclusion.

अग्रणी बैंक उत्तरदायित्व

बैंक को पंजाब के फिरोजपुर जिले तथा राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में अग्रणी बैंक होने के साथ-साथ हाल ही में हरियाणा राज्य के पलवल जिले में भी अग्रणी बैंक का अतिरिक्त उत्तरदायित्व दिया गया है। अग्रणी बैंक कार्यालय ने पलवल में मार्च, 2009 माह में कार्यारंभ कर दिया है।

6..1.16 ओबीसी ग्रामीण विकास न्यास

बैंक ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्षमता बढ़ाने हेतु प्रषिक्षण देने के लिए देष के विभिन्न स्थलों पर ग्रामीण विकास प्रषिक्षण एवं संसाधन केन्द्र स्थापित करने के उद्देष्य से ओबीसी ग्रामीण विकास न्यास नामक एक विषेष प्रयोजन संस्था की स्थापना की। इस न्यास की स्थापना 09 दिसंबर, 2005 को एक पंजीकृत निकाय के रूप में हुई थी।

इस न्यास का प्रमुख उद्देष्य किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीकों, ट्रैक्टर/कृषि मषीनरी की मरम्मत तथा रखरखाव तथा कृषि/ग्रामीण विकास के अन्य पहलुओं; सूक्ष्म वित्त का प्रशिक्षण देने तथा ग्रामीण युवकों एवं महिलाओं की क्षमता बढ़ाने हेतु प्रषिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण कॉलेज/संस्थान तथा कार्यषालाओं की स्थापना करना है। इस समय रुद्रपुर (देहरादून), श्रीगंगानगर, जयपुर और फिरोजपुर में 4 ग्रामीण विकास प्रषिक्षण एवं संसाधन केन्द्र कार्यरत हैं। हमें चोमू (जयपुर जिला), राजस्थान और जीरा (फिरोजपुर जिला), पंजाब में जमीन आबंटित की गई है जहां यथासमय पूर्ण केन्द्र निर्मित किए जाएंगे। न्यास की हरियाणा और उत्तर प्रदेष अन्य दो राज्यों में निकट भविष्य में प्रषिक्षण केन्द्रों की स्थापना करने की योजना है।

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान, कुल 125 प्रषिक्षण कार्यक्रम चलाए गए और 4512 उम्मीदवारों को टेलरिंग एवं ड्रेस डिजाइनिंग, जलसंभरण प्रबंधन, फुलकारी, कढ़ाई, दूधारू पषुपालन, फसल उत्पादन, ब्यूटी पार्लर, चिकित्सीय वृक्षारोपण आदि विषयों पर प्रषिक्षण दिए गए। कुल 3210 प्रशिक्षित व्यक्तियों को आर्थिक कार्यकलाप करने/स्थापित करने के लिए ऋण संयोजन दिया गया। समाज में गरीबी रेखा से नीचे रह रहे व्यक्तियों, जिसके लिए केन्द्रों द्वारा सबंधित डीआरडीए से सूची ली जाती है, को भी प्रषिक्षण देने पर जोर दिया जा रहा है।

6.2 रिटेल ऋण

बैंक रिटेल ऋण बढ़ाने पर जोर देता रहा है। समाज के सभी वर्गों की आवष्यकताओं के अनुसार रिटेल ऋण योजनाएं तैयार की गईं। रिटेल खंड को बढ़ावा देने तथा अपेक्षित वृद्धि करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित बिल्डिरों तथा ऑटो निर्माताओं के साथ गठबंधन भी किए गए हैं। रिटेल ऋण आवेदनों का शीघ्र निपटान करने के लिए रिटेल हब कार्य कर रहे हैं ।

6.3 शिक्षा ऋण

बैंक के षिक्षा ऋणों में 35.51% की वृद्धि हुई जो 31.03.2009 को 790.00 करोड़ रहे। मेधावी छात्रों को सरल शर्तों तथा प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण प्रदान करने के साथ-साथ छात्राओं को ब्याज दर में 0.50% की रियायत दी जाती है। बैंक की वेबसाइट http://www.obcindia.co.in पर "ऑनलाइन" ऋण आवेदन भी स्वीकार किए जाते हैं जिन पर 48 घंटे के अंदर कार्यवाही की जाती है।

7. राजकोषीय परिचालन

वित्तीय वर्ष 2008-09 की पहली छमाही में सरकारी प्रतिभूतियां और इक्विटी में अनुषंगी बाजार परिचालनों में वैष्विक वित्तीय संकट, वस्तुओं में

Lead Bank Responsibility

Besides being Lead Bank in Ferozepur District in Punjab and Sriganganagar District in Rajasthan, the Bank has been assigned additional Lead Bank responsibility in Palwal District also, in Haryana State recently. The Lead Bank Office in Palwal started functioning in the month of March 2009.

6.1.16 OBC Rural Development Trust

Bank has set up a special purpose vehicle in the name of Oriental Bank Rural Development Trust (OBCRDT) for setting up Rural Development Training & Resource Centres at various places across the country for imparting training for capacity building in rural areas. The Trust came into being on the December 09,2005 as a registered body.

The main objective of the Trust is to establish training colleges/ institutes and workshops for providing training for farmers on modern techniques of farming, tractor/farm machinery repair & maintenance and other aspects of agriculture/rural development; micro finance and capacity building of the rural youth and women. Presently four Rural Development Training & Resource Centres are functional at Rudrapur (Dehradun), Sriganganagar, Jaipur and Ferozepur. We have been allotted land in Chomu (Jaipur district), Rajasthan and Zira (Ferozepur district), Punjab where full-fledged centres will be constructed in due course of time. Haryana and Uttar Pradesh are other two states where the Trust plans to set up training centres in the near future.

During the Financial Year 2008-09, a total of 125 training programmes were conducted and 4512 candidates were given training on subjects like tailoring & dress designing, watershed management, phulkari embroidery, milch animal rearing, crop production, beauty parlour, medicinal plantation, etc. A total of 3210 trained persons were credit linked for pursuing/setting up of economic activites. Emphasis is also given to train candidates from BPL strata of the society for which list of candidates is obtained by the centres from respective DRDA.

6.2 Retail Credit

The Bank continued laying emphasis on expanding Retail credit. Various Retail Credit Schemes are designed to suit all sections of the society. To accomplish desired growth tie-ups with various reputed builders and auto manufacturers are made to boost the retail segment. Retail hubs are functioning for quick disposal of Retail loan applications.

6.3 Education Loan

Bank has achieved a growth of 35.51% in Education Loans which stood at Rs.790.00 crore as on 31.03.09. Soft terms and conditions and competitive rates are offered to meritorious students besides 0.50% concessional rate of interest to girl students. On line loan applications are also accepted by visiting Bank's website https://www.obcindia.co.in which are responded to within 48 hours.

7. TREASURY OPERATIONS

The secondary market operations in Government Securities and equity remained volatile during the 1st half of the financial

मूल्य वृद्धि, मुद्रास्फीति की उच्च दर इत्यादि के कारण उतार-चढ़ाव रहा किन्तु दूसरी छमाही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और विष्वास बहाल करने की दृष्टि से दरों में की गई अत्याधिक कमी से इसमें तेजी रही। इसके परिणामतः अनुषंगी बाजार का पण्यावर्त वर्ष 2007-08 के 18726.78 करोड़ रु0 से बढ़कर वर्ष 2008-09 में 28526.00 करोड़ रु0 हो गया। अनुषंगी बाजार के परिचालन से निवल लाभ 153 करोड़ रु0 से बढ़कर वर्ष 2008-09 के दौरान 482.84 करोड़ रु0 हो गया। बैंक ने 1958.02 करोड़ रु0 के बही मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों को "बिक्री के लिए उपलब्ध" (एएफएस) श्रेणी से "परिपक्वता तक धारित" (एचटीएम) श्रेणी में अंतरित किया और 122.07 करोड़ रु0 का मूल्यहास दर्ज किया। बैंक का कुल निवेष वित्तीय वर्ष 2007-08 के 24009.27 करोड़ रु0 के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2008-09 के अंत में बढ़कर 28658.39 करोड़ रु0 हो गया। उच्च ब्याज वाली प्रतिभूतियों की परिपक्वता और निम्न ब्याज की प्रतिभूतियां जारी करने के कारण वित्तीय वर्ष 2008-09 की दूसरी छमाही में निवेष पर प्रतिफल पिछले वर्ष के 8.01% से घटकर 7.63% रह गया।

8. मर्चेन्ट बैंकिंग क्रियाकलाप

बैंक एनएसडीएल और सीएसडीएल दोनों में निक्षेपागार भागीदार के रूप में पंजीकृत है। लगभग 90,000 ग्राहक बैंक की डी-मैट सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। बैंक आईडीबीआई पूंजी बाजार सेवाओं के साथ मिलकर अपने ग्राहकों को ऑन लाइन बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्ष 2009-10 के दौरान बैंक अपने ग्राहकों को और अधिक शाखाओं के माध्यम से निक्षेपागार सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहा है। राजकोषीय वर्ष के दौरान, बैंक ने अपना टीयर-II बाण्ड निर्गम, निजी स्थापन आधार पर, काल आप्षन का प्रयोग न किए जाने के मामले में 10 वर्षों के बाद 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि होने के खण्ड सहित 8.75% कूपन पर जारी किया। 12.02.2009 को 42 अभिदाताओं को ये बाण्ड जारी किए गए।

9. विदेशी मुद्रा कारोबार

बैंक ने 30 मार्च, 2009 को दुबई में अपना पहला विदेशी प्रतिनिधि कार्यालय खोला ताकि भारतीय प्रवासियों और अनिवासी भारतीय समुदाय को विविध प्रकार की अनिवासी सेवाएं प्रदान की जा सकें और विनिमय गृहों के जरिए भारत में प्रेषण कारोबार को बढ़ाया जा सके । यह कार्यालय मौजूदा ग्राहकों की बढ़ती हुई वैष्विक जरूरतों को भी पूरा करेगा। वित्तीय वर्ष 2008-09 में फोरेक्स डीलिंग रूम और घरेलू राजकोष को एकीकृत कर दिया गया ताकि बाजार के अवसरों का पूरा लाभ उठाया जा सके, आस्तियों व देयताओं का कुषल प्रबंध किया जा सके और निधियों का लाभप्रद रूप से बेहतर प्रबंध किया जा सके। राजकोषीय वर्ष 2008-09 के दौरान फॉरेक्स टर्नओवर 31.03.2008 के 37,418 करोड़ रु0 के मुकाबले 31.03.2009 को 42,500 करोड़ रु0 रहा और इसमें 13.60% की वृद्धि दर्ज की गई। प्राधिकृत शाखाओं में विदेशी मुद्रा गैर ब्याज आय में 69.72% की वृद्धि हुई और विदेशी मुद्रा डीलिंग रूम की आय में पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 37.85% की वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष के दौरान वैष्विक मंदी ने निर्यात ऋण की वृद्धि को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया और विदेशी बाजार में कम मांग होने के कारण वस्त्र, सिलेसिलाए वस्त्र, रत्न और आभूषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में काफी मंदी आई। 31.03.2009 को बैंक का निर्यात ऋण 3282.82 करोड़ रुपए रहा। निर्यात ऋण में गिरावट आने का अन्य प्रमुख कारण विदेशी मुद्रा में निर्यात ऋण का अभाव रहा। विदेशी मुद्रा ऋण पोर्टफोलियो, 31.03.2008 के 354.50 मिलियन अमेरिकी डालर के मुकाबले 31.03.2009 को 122.139 मिलियन अमरीकी डालर रहा। तथापि, विदेशी मुद्रा संसाधनों की कमी को

year 2008-09 due to global financial crisis, hardening of the commodity prices, high inflation etc, but remained bullish in the second half due to aggressive rate cut by the RBI to boost the economy and restore the confidence. Consequent upon this, turnover in the secondary market has increased from Rs.18726.78 crore in the year 2007-08 to Rs.28526.00 crore in the year 2008-09. The net profit from the secondary market operation has increased from Rs.153 crore to Rs.482.84 crore during the year 2008-09. The bank has shifted Government securities having Book value of Rs.1958.02 crore from 'Available For Sale' (AFS) category to 'Held To Maturity' (HTM) category and booked depreciation of Rs.122.07 crore. The aggregate investment of the Bank increased to Rs.28658.39 crore at the end of the financial year 2008-09 as against Rs.24009.27 crore in the FY 2007-08. The yield on investment has decreased to 7.63% from 8.01% as compared to last year due to maturing of high coupon securities and issuance of securities bearing low coupon in the second half of the FY 2008-09.

8. MERCHANT BANKING ACTIVITIES:

Bank has been registered as Depository Participant with both NSDL & CSDL. Nearly 90,000 customers are availing the demat services of the Bank. Bank is offering online trading services in collaboration with IDBI Capital market services for its customers. During 2009-10, the Bank is planning to add more branches that will offer depository service to its customers. During the fiscal year, the Bank brought its Upper Tier II Bonds Issue on private placement basis at 8.75% coupon with a step up of 50 bps after 10 years in case the call option is not exercised. The Bonds were allotted to 42 subscribers on 12.02.2009.

9. FOREIGN EXCHANGE BUSINESS

Bank has established its first overseas Representative Office in Dubai on 30th March, 2009 in order to facilitate offering of complete array of non-resident services to Indian expatriates and NRI community and strengthening remittance business into India through exchange houses. The office shall also support existing clientele with their ever-increasing global requirement. The forex dealing room and domestic treasury have been integrated during the financial year 2008-09 in order to exploit the market opportunities, management of assets and liabilities and improve funds management in more profitable manner. During the fiscal 2008-09, forex turnover achieved at Rs.42,500 crore as on 31.03.2009, as against Rs.37,418 crore as on 31.03.2008 thus, registering a growth of 13.60%. The forex non-interest income at authorized branches has registered a growth of 69.72% and income of forex dealing room has achieved a growth of 37.85% over the preceding financial year. The impact of global meltdown has directly affected the growth of export credit during the financial year as major segments like textile, garments, gems and jewellery have substantially slowed down due to poor demand in overseas market. The export credit of the bank stood at Rs.3282.82 crore as on 31.03.2009. The other contributory factor for slow growth in export credit was paucity of export credit in foreign currency. The foreign currency loan portfolio stood at US$ 122.139 million as on 31.03.2009 as

क्रेता ऋण एवं बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) देकर पूरा किया गया। बैंक ने 31.03.2008 को 1546.68 करोड़ रु0 की अनिवासी जमाराषियां जुटाई। इस वर्ष के दौरान अनिवासी कारोबार के संभावित क्षेत्रों में कई अनिवासी भारतीय बैठकें/कैम्पों का आयोजन किया गया। निधि प्रेषण को तत्काल जमा करने और अनिवासी ग्राहकों को प्रभावी समर्थन देने की दृष्टि से कारपोरेट स्तर पर एक अलग अनिवासी भारतीय कक्ष बनाया गया। वित्तीय वर्ष के दौरान शुल्क आधारित उत्पाद जैसे वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर और एक्सचेन्ज हाऊस कारोबार में अच्छी वृद्धि देखी गई।

10. नव्य कारोबार

बैंक ने गैर ब्याज आय बढ़ाने की दृष्टि से प्रधान कार्यालय में तीसरी पार्टी के विभिन्न उत्पादों की मार्किटिंग के लिए एक मार्किटिंग कक्ष बनाया है।

10.1. जीवन बीमा कारोबार

बैंक ने 23% शेयरधारिता के साथ केनरा बैंक और एचएसबीसी इंष्योरेन्स (एषिया पैसेफिक) के साथ मिलकर जीवन बीमा कारोबार के लिए एक संयुक्त उपक्रम बनाया है। इस संयुक्त उपक्रम कंपनी "केनरा एचएसबीसी ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स जीवन बीमा कंपनी लि0" ने 16 जून, 2008 से कार्यारंभ कर दिया है।

जून, 2008-मार्च, 2009 के दौरान बैंक ने 68.40 करोड़ रुपए के पहले प्रीमियम की राषि की 12291 पॉलिसियां बेची और 25.98 करोड़ रुपए का कमीषन अर्जित किया।

10.2. सामान्य बीमा कारोबार

बैंक ने सामान्य बीमा कारोबार के अंतर्गत सतत वृद्धि जारी रखी और लगभग 20.00 करोड़ रुपए का प्रीमियम जुटाते हुए 2.63 करोड़ रुपए के कमीषन द्वारा आय अर्जित की।

10.3. म्युचुअल फंड कारोबार

बैंक 4 म्युचुअल फण्ड गृहों के म्युचुअल फण्ड उत्पादों की बिक्री कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान बैंक ने म्युचुअल फण्ड उत्पादों की बिक्री की और इस क्षेत्र के तहत 20.00 करोड़ रुपए की प्रबंधाधीन आस्तियां (ए.यू.एम.) संग्रहित करते हुए 37.00 लाख रु0 की आय अर्जित की।

10.4. डि-मैट खाते

बैंक एनएसडीएल और सीडीएसएल दोनों का निक्षेपागार भागीदार है। इस कारोबार श्रेणी में इसके 80000 से अधिक खाते हैं और बैंक ने वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान 3.58 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया।

बैंक ने अपने डि-मैट खाता धारकों को 12 चयनित शाखाओं के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग सुविधा देने के लिए आईडीबीआई कैपिटल मार्किट सर्विसेज लि0 के साथ गठबंधन किया है।

10.5. नकदी प्रबंधन

बैंक अपने ग्राहकों की आवष्यकताओं के अनुरुप प्रभावी और आवष्यकता आधारित सीएमएस समाधान प्रदान कर रहा है। बैंक नकदी प्रबंधन सेवाओं के अंतर्गत अपने ग्राहकों को संग्रहण, भुगतान और अभिरक्षक सेवाएं प्रदान कर रहा है। बैंक देष भर में ग्राहकों को अपनी शाखाओं के जरिए 56 शहरों में और प्रतिनिधि व्यवस्था के जरिए 500 केन्द्रों पर नकदी प्रबंधन सेवाएं प्रदान कर रहा है। बैंक ने वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान 930 करोड़ रुपए से

against US$ 354.50 million as on 31.03.2008. The shortage in foreign currency resources was however, salvaged by extending Buyers' Credit and External Commercial Borrowings (ECBs). The Bank has mobilized non-resident deposit to the tune of Rs.1546.68 as on 31.03.2008. During the year a number of NRI meets/camps were organized in the potential centers for NRI business. In order to provide speedy credit of remittances and effective support to non-resident customers, an independent NRI Cell at corporate level has been created. The fee-based products like Western Union Money Transfers and Exchange house business have shown substantial growth during the financial year.

10. NEW INITIATIVES:

With a view to increase the Non-Interest Income the Bank has created a Marketing Section at Head Office for marketing of various 3rd party products.

10.1 Life Insurance Business

The Bank entered into Joint Venture for Life Insurance Business with Canara Bank and HSBC Insurance (Asia Pacific) with 23% share holding. The Joint Venture Company "Canara HSBC Oriental Bank of Commerce Life Insurance Company Ltd.", started its operations from 16th June, 2008.

During June 2008-March 2009 the Bank sold 12291 policies with First Premium Collection of Rs. 68.40 Crores and has earned commission of Rs. 25.98 Crores.

10.2 General Insurance Business

Under General Insurance Business the Bank has been registering steady growth and has collected around Rs. 20.00 Crores as Premium collections and income by way of Commission of Rs. 2.63 Crores.

10.3 Mutual Fund Business

The Bank has been selling the Mutual Fund products of 4 Mutual Fund Houses. During the Financial Year 2008-09 the Bank has sold Mutual Fund products and collected AUM of Rs.20.00 Crores and earned income of Rs.37 Lacs under this segment.

10.4 Demat Accounts

The Bank is a Depository Participant for both NSDL and CDSL. It has more than 80000 accounts under this category of business and has recorded a revenue generation of Rs. 3.58 Crores in the financial year 2008-09.

The Bank has tied up with the IDBI Capital Market Services Ltd. for providing Online Trading facilities to its DEMAT Account holders through 12 identified Branches.

10.5 Cash Management

The Bank provides an efficient and tailor-made CMS solutions to suit the customer requirements. The Bank is offering Collections, Payments and Custodial Services to the Customers under the Cash Management Services. The Bank has coverage of more than 56 cities through its own Branches and 500 Locations through Correspondent arrangements offering CMS services to clients across the country. The Bank has registered

अधिक का टर्नओवर प्राप्त किया और 1.00 करोड़ रुपए की गैर-ब्याज आय अर्जित की।

11. शाखा विस्तार

वर्ष 2008-09 के दौरान बैंक ने 11 विस्तार पटलों का उन्नयन करने के साथ-साथ 67 नई शाखाएं खोलीं। 31.03.2009 की स्थिति के अनुसार बैंक की कुल शाखाएं 1401 रहीं जबकि 31.03. 2008 को इनकी संख्या 1323 थी। मार्च, 2009 के अंत में शाखाओं के जनसंख्या समूहवार वर्गीकरण की स्थिति निम्नानुसार है :

क्र.सं.	वर्गीकरण	31.03.2009 की स्थिति के अनुसार	31.03.2008 की स्थिति के अनुसार
1.	ग्रामीण	282	273
2.	अर्द्धशहरी	341	316
3.	शहरी	443	408
4.	महानगरीय	335	326
	कुल	**1401**	**1323**

12. ग्राहक सेवा

बैंक ने सभी ग्राहकों को निष्पक्ष, पारदर्शी तथा गुणवत्तापरक सेवाएं प्रदान करने के अपने प्रयास में, व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए बैंकिंग संहिता तथा भारतीय मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) की स्वैच्छिक संहिता अपनाई और लागू की है। बैंक ने ऋणदाताओं के लिए निष्पक्ष आचार संहिता अपनाई है ताकि बैंक और उधारकर्ता के बीच बेहतर समझ विकसित की जा सके, सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा दिया जा सके और सुदृढ़ ऋण पद्धतियां अपनाई जा सकें। माइक्रो एवं लघु उद्यम (एमएसई) संहिता बैंक द्वारा अपने माइक्रो तथा लघु उद्यम ग्राहकों को उनके दैनंदिन कार्यों और वित्तीय संकट के समय सुविधाजनक तत्काल और पारदर्शी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने हेतु बैंक की सकारात्मक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बीसीएसबीआई, निष्पक्ष आचार संहिता और एमएसई कोड बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इन संहिताओं की पुस्तिकाएं, ग्राहकों को वितरित किए जाने हेतु शाखाओं में भी उपलब्ध हैं।

बैंक ने ग्राहकों की समस्याओं के शीघ्र निपटान के लिए वेब आधारित ग्राहक षिकायत निवारण प्रणाली आरंभ की है। ग्राहक के खातों संबंधी जानकारी तथा अन्य शंकाओं का जवाब देने के लिए टॉल फ्री संख्या 1800-180-1235 पर एक समर्पित ग्राहक सेवा केन्द्र भी स्थापित किया गया है।

ग्राहकों की जागरुकता/सहायता के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देषों के अनुसार अपेक्षित सूचना शाखाओं में प्रदर्षित की गई है तथा बैंक की योजनाओं/उत्पादों की जानकारी देने वाले विभिन्न पोस्टर, पम्फलेट, हैंडआउट, परिपत्र, बुकलेट शाखाओं में उपलब्ध कराए गए हैं।

बैंक की जमा योजनाओं, ऋण योजनाओं, सिटीजन चार्टर, बैंकिंग लोकपाल, लघु उद्योग चार्टर, विदेषी मुद्रा प्रेषण, सेवा प्रभार पर अद्यतन सूचना और चेक वसूली, प्रतिपूर्ति, प्रतिभूति पर पुनः कब्जा करने तथा षिकायत निपटान पर बैंक की नीतियों को बैंक की वेबसाइट के पब्लिक डोमेन में प्रदर्षित किया गया है। इसके अतिरिक्त ग्राहकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए वेबसाइट पर 'षंकाएं एवं सुझाव' लिंक प्रदान किया गया है।

ग्राहकों से संपर्क करने और उन्हें बैंक के विभिन्न उत्पादों एवं योजनाओं की जानकारी देने के लिए शाखा स्तर पर टीमें बनाई गई है। ग्राहक सेवा बैठकों का विभिन्न स्तरों पर आवधिक रूप से आयोजन किया जाता है और उनसे

a turnover of above Rs.930 Crore and earned non-interest income of Rs.1.00 Crore during the Financial year of 2008-09.

11. BRANCH EXPANSION

During 2008-09, the Bank has opened 67 new branches besides upgradation of 11 Extension Counters. As on 31/03/2009, the total number of branches stood at 1401 as against 1323 as on 31/03/2008. The population group-wise classification of branches as at end- March,2009 is as under :

Sr.No.	Classification	As on 31.03.2009	As on 31.03.2008
1.	Rural	282	273
2.	Semi-urban	341	316
3.	Urban	443	408
4.	Metropolitan	335	326
	Total	**1401**	**1323**

12. CUSTOMER SREVICE

The Bank, in its endeavor to provide fair, transparent and quality service to all the customers, has adopted and implemented voluntary codes of BCSBI for individual customers. Bank has adopted Fair practice Code for lenders to promote better understanding between the borrower and the Bank, develop cordial relationship and also create healthy lending practices. The Micro and Small Enterprise (MSEs) Code reflects the Bank's positive commitment to its Micro & Small Enterprise customers to provide easy, speedy and transparent access to banking services in their day to day operations and in times of financial difficulty. The BCSBI, Fair Practice & MSE codes have been displayed on Bank's website. The Booklets of the codes are also available at Branches for distribution to the Customers.

The Bank has also launched Web-based Customer Grievance Redressal system for prompt redressal of customers' grievance. A dedicated Customer Care Centre on toll free Number 1800-180-1235 has been set up for meeting the Customers account related and other queries.

For Customers awareness/help, information as per RBI guidelines have been displayed at the branches and various posters, pamphlets, handouts, circulars, booklets containing Bank's Schemes/Products are provided at the Branches.

The updated information on Bank's Deposit Schemes, Loan schemes, Citizen's Charter, Banking Ombudsman, SSI Charter, Forex Remittances, Service Charges and Bank's policies on Cheque Collection, Compensation, Security Repossession and on Grievance Redressal have been displayed in public domain of Bank's website. Besides a 'Query & Suggestion' link is provided on website to get feedback from Customers.

Teams have been constituted at branch level for interaction with the customers and make them aware of Bank's various products and schemes. Customer Service Meetings are held periodically

बैंक के उत्पादों और सेवाओं पर प्रतिक्रिया/सुझाव लिए जाते हैं जिससे कि उन्हें बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान की जा सके। इसके अतिरिक्त, इन बैठकों में भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय बैंक संघ इत्यादि जैसी नियामक प्राधिकारियों द्वारा जारी ग्राहक सेवा संबंधी मार्गनिर्देषों का अनुपालन भी सुनिष्चित किया जाता है।

13. अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानदंड और काला धन का शोधन निवारण (एएमएल) उपाय

विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानूनों, विनियमों, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देषों/अनुदेषों व मार्गनिर्देषों का पालन करने के लिए और मुख्यतः आपराधिक तत्वों द्वारा जानबूझकर या अनजाने में बैंक का प्रयोग काला धनष्शोधन कार्यों के लिए करने से रोकने के लिए, "अपने ग्राहक को जानिए नीति" बनाई गई है। इस नीति में चार प्रमुख तत्व हैं "ग्राहक स्वीकरण नीति", "ग्राहक पहचान प्रक्रिया", "लेन-देनों की मॉनिटरिंग" तथा "जोखिम प्रबंधन"। इससे बैंक को ग्राहकों व उनके वित्तीय लेनदेनों को बेहतर ढंग से जानने/समझने में सहायता मिलेगी और जोखिम का प्रबंध अधिक विवेकपूर्ण तरीके से करने में सहायता मिलेगी। फील्ड में कार्य कर रहे अधिकारियों द्वारा सख्ती से पालन किए जाने हेतु विस्तृत मार्गनिर्देष एवं अनुवर्ती अनुदेष समय-समय पर दोहराए जाते रहे हैं। बैंक काले धन का शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के नए कानून के अनुकरण में पहले ही FIU-IND को सांविधिक विवरणियां प्रस्तुत करने की अपेक्षा का पालन कर रहा है । बैंक ने केवाईसी/एएमएल मानदंडों के अनुपालन हेतु और संदिग्ध स्वरूप के संव्यवहारों के लिए सावधानी संकेत (अलर्ट) देने के लिए एक कम्प्यूटर साफ्टवेयर सॉल्यूषन लिया है और इसे कार्यान्वित कर दिया है। एएमएल कक्ष, संदिग्ध संव्यवहारों को पकड़ने के लिए सिस्टम से इस प्रकार सृजित अलर्ट की समीक्षा करता है।

14. बैंक में हिंदी का प्रयोग

आलोच्य वर्ष 2008-09 के दौरान, बैंक ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने और भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त मार्गनिर्देषों/निदेषों का पूरी तरह से पालन करने के संबंध में अपने सार्थक प्रयास जारी रखे। राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में हुई प्रगति का जायजा लेने के उद्देष्य से संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति ने प्रादेषिक कार्यालय, आगरा तथा हिरण मगरी शाखा, उदयपुर का निरीक्षण किया तथा संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा प्रादेषिक कार्यालय,नई दिल्ली का निरीक्षण किया गया। समिति के माननीय सदस्यों ने बैंक द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने हेतु बहुमूल्य मार्गदर्षन प्रदान किया। बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर बैंक राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता के अंतर्गत बैंक को **तृतीय** और अंतर बैंक गृहपत्रिका प्रतियोगिता के अंतर्गत बैंक की गृह-पत्रिका **"आधार"** को **तृतीय पुरस्कार** प्रदान किया गया। आलोच्य वर्ष के दौरान, भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में, बैंक की 153 शाखाओं /कार्यालयों को राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत भारत के राजपत्र में अधिसूचित करवाया गया। स्टाफ सदस्यों को नियमित अंतरालों पर हिंदी कार्यषालाओं व अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से आवष्यक प्रषिक्षण प्रदान किया गया ताकि वे कंप्यूटर पर हिंदी में आसानी से कार्य कर सकें। सीबीएस परिवेष में बैंक के ग्राहकों को बैंकिंग सुविधाएं हिंदी में भी उपलब्ध कराने की दृष्टि से द्विभाषिक डाटा प्रोसेसिंग के लिए मै0 इमेज प्वाइंट, पुणे का द्विभाषिक डाटा प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर पायलट आधार पर बैंक की कुछ शाखाओं में लगाया गया।

at various levels for collecting customer's feedback/suggestions on products & services of the Bank and thereby providing better Customer Service. Besides, the Meetings also ensure the implementation of guidelines related to Customer Service issued by regulatory authorities such as Govt. of India, RBI, and IBA etc.

13. KNOW YOUR CUSTOMER (KYC) NORMS & ANTI MONEY LAUNDERING (AML) MEASURES

To comply with the various laws and regulations, national as well as international, Govt of India and Reserve Bank of India directives / instructions & guidelines, primarily to prevent the Bank from being used, intentionally or unintentionally, by criminal elements for money laundering activities, *'KYC' Policy* has been formulated. The Policy combines four key elements viz. "Customer Acceptance Policy", "Customer Identification Procedures", "Monitoring of Transactions" and "Risk Management". This will enable the Bank to know / understand the customers and their financial dealings better and shall further help in managing risks more prudently. The detailed guidelines and subsequent instructions are being reiterated from time to time for strict compliance by field functionaries. The Bank is already complying with the requirement of submission of statutory returns to the FIU – IND as a sequel to the new legislation on prevention of Money Laundering Act – 2002. The Bank has already procured and operationalised a computer Software solution for complying with KYC / AML norms and generation of alerts for suspicious nature transactions. The AML Cell is scrutinizing the alerts so generated from the system for detecting any suspicious type of transaction (s).

14. USE OF HINDI IN THE BANK

During the year 2008-09, concerted efforts continued to further accelerate use of Hindi in the Bank and to implement the guidelines/directives issued by the Govt. of India and Reserve Bank of India from time to time. To assess the progress made in the use of Hindi the Third Sub-Committee of the Committee of Parliament on Official Language visited Bank's Regional Office, Agra and B/o Hiran Magari, Udaipur. The Sub Committee of Draft and Evidence Committee of Parliament on Official Language inspected Bank's Regional Office, New Delhi. The Members of these Committees appreciated the progress made by the Bank and extended their valuable guidance. The Bank was awarded Third Prize and Bank's In-House Magazine "AADHAAR" was awarded Third prize under the Inter Bank Rajbhasha Shield Pratiyogita & Inter-Bank House Journal Pratiyogita respectively by the Banks' Town Official Language Implementation Committee, Delhi. In compliance with the Official Language Policy of Govt. of India, 153 branches/offices were got notified under rule 10(4) of Official Languages Rules, 1976 during the year. The necessary trainings were imparted to the staff by conducting Hindi workshops as well as other programmes at regular intervals so as to facilitate them to do their work in Hindi on computers. To provide banking facilities to customers in Hindi also by the branches under CBS environment, the bilingual software developed by M/s. Image Point, Pune has been installed on pilot basis in some of the branches of the Bank.

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक की नई इंटर एक्टिव डायनेमिक वेबसाइट को द्विभाषी बनाया गया। बैंक के एटीएम-व-डेबिट **"प्रोटोन"** कार्ड तथा इसकी यूजर गाइड को द्विभाषिक बनाया गया। आलोच्य वर्ष के दौरान, बैंक के प्रधान कार्यालय, प्रादेषिक कार्यालयों तथा चुनिंदा शाखाओं में स्थापित हिन्दी पुस्तकालयों में साहित्यिक एवं बैंकिंग विषयों से संबंधित हिंदी पुस्तकें उपलब्ध करवाई गई। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देषों का अनुसरण करते हुए सितम्बर, 2008 में बैंक के विभिन्न कार्यालयों/षाखाओं में हिन्दी माह/हिन्दी पखवाड़ा एवं हिन्दी दिवस मनाया गया तथा विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं गोष्ठियां आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कार एवं योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रधान कार्यालय द्वारा दिल्ली बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में दिल्ली स्थित सभी बैंकों/वित्तीय संस्थाओं के राजभाषा अधिकारियों के लिए अंतर बैंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बैंक की त्रैमासिक गृह पत्रिका "आधार" के सभी अंक नियमित रूप से हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाषित किए गए।

15. वसूली

राजकोषीय वर्ष 2008-09 के दौरान, सभी स्तरों पर वसूली के गंभीर प्रयास जारी रखे गए, जिसके परिणामतः बैंक ने 488.35 करोड़ रुपए की नकद वसूली की। कुल वसूली में से 134.36 करोड़ रुपए की राषि बैंक के राजस्व में जोड़ी गई। बैंक ने वसूली कैम्पो; आपदाग्रस्त किसानों के लिए एकबारगी समझौता योजना (ओटीएस), आवास ऋणों और रिटेल ऋणों के लिए एकबारगी समझौता योजना, लोक अदालत, एसएआरएफएईएसआई अधिनियम और आरडीडीबी अधिनियम के प्रावधानों, प्रतिभूतिकरण कंपनी/पुनर्संरचना कंपनी एससी/आरसी को वित्तीय आस्तियों की बिक्री तथा बैंक की सामान्य समझौता नीति जैसी विभिन्न वसूली पद्धतियों का भी प्रभावपूर्ण उपयोग किया। भारतीय अर्थव्यवस्था में मंदी के बावजूद चूक को न्यूनतम करने के लिए निरंतर ऋण निगरानी तथा सतत् वसूली कार्यनिष्पादन के परिणामतः कुल अग्रिमों में कुल एनपीए का प्रतिषत 31.03.2008 के 2.31% से कम होकर 31.03.2009 को 1.53% रह गया। इस अवधि में बैंक के कई अत्यंत असाध्य एनपीए की भी वसूली की गई।

बैंक वैष्विक मंदी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के परिणामतः आगामी माहों में उच्चतर चूक की संभावना की चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी वसूली पद्धति को सक्रिय बना रहा है।

16. मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण

बैंकिंग की दृष्टि से वर्ष 2008-09 घटनापूर्ण वर्ष रहा। विश्वभर में गिरावट तथा मंदी का दौर रहा, यहां तक कि कई वित्तीय संस्थान दिवालिया हो गए जिनका प्रभाव भारत पर भी पड़ा और इनसे चुनौतियां कई गुना बढ़ गई। इस परिवर्तित परिवेष के अनुरूप बैंक ने चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी स्तरों पर समुचित कौषल बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम उठाए। आलोच्य वर्ष 2008-09 के दौरान हमारा ध्यान प्रषिक्षण में निम्नलिखित विषयों पर केन्द्रित रहा :

ऋण प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन, विदेषी मुद्रा प्रबंधन, लघु एवं मध्यम उद्यमों को ऋण देने संबंधी नीतियां, कारपोरेट वित्त और रिटेल वित्त, वसूली प्रबंधन, सॉफ्ट कौषल उन्नयन, ग्राहक संबंध प्रबंधन, बैंक उत्पादों का विपणन, सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सीबीएस परिवेष में सामान्य बैंकिंग।

उपरोक्त विषयों और बैंकिंग के अन्य क्षेत्रों में कुल 380 कार्यक्रमों में 8090 कर्मचारियों को प्रषिक्षण प्रदान किया गया। इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक, कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे; एनआईबीएम, पुणे; आईआईएम,

During the year, Bank's new interactive dynamic website was made bilingual. Also Bank's ATM-cum-Debit card "PROTON" and its user guide have been made bilingual. Hindi books on Literature and Banking were made available for the Hindi Libraries set up at Head Office, Regional Offices and selected branches. In compliance with the guidelines received from the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Govt. of India, Hindi day/Hindi fortnight/Hindi month were celebrated in different offices/branches of the bank in the month of September, 2008 and various competitions & seminars were organized and winners were awarded certificates of merits & prizes. An Inter Bank competition for Hindi Officers of various Banks/ Financial Institutions situated in Delhi was organized by the Head office under the auspices of Banks' Town Implementation Committee, Delhi. All the issues of Banks' quarterly In-house Magazine "AADHAAR" were published regularly in bilingual form.

15. RECOVERY

During the financial Year 2008-09, concerted recovery efforts continued at all levels and consequently, the bank could effect cash recovery of Rs.488.35 Crores. Out of total recovery, a sum of Rs.134.76 Crores has added to the revenue of the bank. The Bank has effectively utilized the various recovery mechanisms e.g. holding Recovery Camps, One time Settlement (OTS) scheme for distressed farmers, OTS scheme of Housing Loans and retail loans, Lok Adalats, provisions of SARFAESI Act and RDDB Act, sale of financial asssets to SC / RC as well as General Settlement Policy of the bank. Due to constant credit monitoring to minimize delinquencies and consistent recovery performance, percentage of Gross NPAs to Gross Advances has come down from 2.31% as on 31.03.08 to 1.53 % as on 31.03.09 despite slowdown in Indian Economy. Many hard core NPAs of the bank have been resolved during this period.

The bank is re-energizing its recovery mechanism to meet challenges of probable higher delinquencies in coming months as a fall out of global meltdown, affecting Indian Economy.

16. HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT & TRAINING

2008-09 has been an eventful year in Banking. From meltdown; to recession; to failed financial institutions in the global environment with its rippling effect in India, the challenges have been manifold. Recognizing the changed environment, the Bank had taken adequate steps to ensure upgradation of appropriate skills at all levels to meet the challenges. Our focus in training during the year 2008-09 has been on the following streams:-

Credit Management, Risk Management, Forex Management, Lending strategies to SMEs, Corporate finance and Retail Finance, Recovery Management, Soft Skills Development, Customer relationship Management, Marketing of Bank's products, General Banking in CBS environment with use of IT.

In 380 programmes 8090 employees were imparted training in the above streams and other areas of Banking. Further, another 961 officers were nominated in Advanced Training Programmes

अहमदाबाद; निब्स्कॉम, नोएडा; फेडाई; आईबीए; स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद; एमडीआई, गुड़गांव आदि जैसे कई शीर्ष प्रषिक्षण संस्थाओं में महत्वपूर्ण परिचालनपरक और व्यवहारपरक क्षेत्रों के उन्नत प्रषिक्षण कार्यक्रमों में भी 961 और अधिकारियों को नामित किया गया। कुछ वरिष्ठ/सर्वोच्च प्रबन्धन अधिकारियों को भी विदेष में प्रषिक्षण हेतु प्रतिनियुक्त किया गया ताकि वे श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय कार्यविधियों तथा भारतीय बैंकिंग पर उनके प्रभाव को जान सकें।

वर्ष 2008-09 के दौरान, कारपोरेट ऋण, सिविल आर्किटैक्ट, सुरक्षा तथा हिन्दी आदि क्षेत्रों में परीक्षाओं/साक्षात्कारों के माध्यम से विषेष संवर्ग के 13 अधिकारियों तथा 174 परिवीक्षा अधिकारियों की भर्ती की गई। इसके अलावा, बैंक ने 300 परिवीक्षा अधिकारियों, 900 लिपिकों तथा विपणन, सूचना प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और कृषि आदि विषेषीकृत क्षेत्रों में 400 अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया भी आरंभ की। 31 मार्च, 2009 की स्थिति के अनुसार बैंक में कुल कर्मचारियों की संख्या 14656 है, जिसमें 7,283 अधिकारी, 4,605 गैर-अधीनस्थ तथा 2768 अधीनस्थ संवर्ग के कर्मचारी हैं।

16.1 अनु.जा./अनु.ज.जा./अ.पि.व. हेतु आरक्षण/कल्याण

बैंक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/षारीरिक रूप से विकलांग/भूतपूर्व सैनिक श्रेणियों के कर्मचारियों को निर्धारित रियायतें/छूटें प्रदान करने के साथ-साथ आरक्षण संबंधी सभी सरकारी दिषा-निर्देषों का पालन करता रहा है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की षिकायतें, यदि कोई हों, सभी प्रादेषिक कार्यालयों और प्रधान कार्यालय में सम्पर्क अधिकारी/मुख्य सम्पर्क अधिकारी के प्रभार के अधीन सृजित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग कक्षों के माध्यम से दूर की गई। आलोच्य वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डा. बूटा सिंह ने बैंक का दौरा किया और बैंक में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा की। आयोग ने आरक्षण नीति को पूरी तरह लागू करने के लिए बैंक की सराहना की। बैंक ने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने मार्गनिर्देषों के अनुसार, पदोन्नति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रिक्त पदों के बैकलॉग को भरने के लिए विषेष अभियान भी चलाया।

निदेशक मंडल

वर्ष 2008–2009 के दौरान निदेषक मंडल की 13, मंडल की प्रबन्ध समिति की 19 और मंडल की लेखापरीक्षा समिति की 6 बैठकें हुईं।

वर्ष के दौरान श्री एच. रत्नाकर हेगड़े तथा श्री एस. सी. सिन्हा ने क्रमशः 16.5.2008 तथा 8.10.2008 को बैंक में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य ग्रहण किया गया।

बैंक के निदेषकों के संबंध में अन्य विवरण हेतु कारपोरेट प्रबंध पर रिपोर्ट को पढ़ा जाए।

निदेशकों का दायित्व कथन

निदेषक पुष्टि करते हैं कि 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष हेतु वार्षिक लेखे तैयार करने में,

(क) महत्वपूर्ण परिवर्तनों, यदि कोई हों, के संबंध में लागू लेखांकन मानकों को, उपयुक्त स्पष्टीकरण के साथ अपनाया गया है।

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देषों के अनुसार तैयार की गई लेखांकन नीतियां लागू की गईं।

in key operational and behavioral streams in pioneer training institutions like; Reserve Bank of India, College of Agricultural Banking Pune, NIBM Pune, IIM Ahmedabad, NIBSCOM Noida, FEDAI, IBA, State Bank Staff College Hyderabad, MDI Gurgaon etc. to quote a few. Few senior/top management functionaries were deputed for overseas training to give exposure to international best practices and their impact in Indian Banking.

During the year 2008-09, 13 Specialist Officers and 174 Probationary Officers were recruited through test/interviews in different grades, under various streams such as Corporate Credit, Civil Architect, Security and Hindi. Further, the Bank has also initiated the process of recruiting another 300 Probationary officers, 900 clerks and 400 officers in specialised fields of Marketing, IT, Security & Agriculture etc. The total staff strength as on 31st March 2009 is 14656, comprising of 7,283 officers, 4,605 Non-subordinates and 2,768 subordinates.

16.1 RESERVATION / WELFARE FOR SC/ST/OBC

The Bank has complied with Government guidelines in respect of reservation, recruitment and promotion for SC/ST/OBC/PWD/ExSM besides extending concessions/relaxation as prescribed. The grievances of SC/ST/OBC employees, if any, were resolved through SC/ST and OBC Cells created at all Regional Offices and at Head Office under the charge of Liaison Officer/Chief Liaison Officer. During the year under report, the Chairman of the National Commission for Scheduled Castes Dr. Buta Singh visited the Bank and reviewed the implementation of Reservation Policy in the Bank. The Commission appreciated the bank for implementing the Reservation Policy in letter and spirit. The Bank also launched a Special Drive to fill up the backlog of SC/ST vacancies in Promotion as per the guidelines of the Ministry of Finance, Government of India.

BOARD OF DIRECTORS

During 2008-2009, 13 meetings of Board of Directors, 19 meetings of Management Committee of Board, 6 meetings of Audit Committee of Board, were held.

During the Year Sh. H. Rathnakar Hegde & Sh. S.C. Sinha joined the Bank as Executive Directors, respectively on 16.05.2008 & 08.10.2008.

The Report on Corporate Governance may be read for other details relating to the Directors of the Bank.

DIRECTORS' RESPONSIBILITY STATEMENT

The Directors confirm that, in the preparation of the Annual Accounts for the year ended 31st March 2009,

(a) the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures, if any,

(b) the accounting policies framed in accordance with the guidelines of the Reserve Bank of India, were consistently applied,

(ग) वित्त वर्ष के अंत में बैंक के कार्यों तथा 31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक के लाभ का सही एवं सच्चा चित्र सामने आ सके, इसके लिए उचित व विवेकपूर्ण निर्णय एवं प्राक्कलन किए गए।

(घ) भारत में बैंकों पर लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकार्ड रखने के लिए सम्यक एवं पर्याप्त सावधानी बरती गई तथा लेखे लाभप्रद संस्थान आधार पर तैयार किए गए।

आभार

निदेषक मंडल आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक तथा अन्य सरकारी एवं नियामक एजेंसियों का उनके द्वारा वर्ष भर बैंक को दिए गए बहुमूल्य मार्गदर्षन और सतत सहयोग के लिए धन्यवाद करता है। निदेषक मंडल अपने प्रतिष्ठित ग्राहकों, सम्मानित शेयरधारकों, पण्यधारकों तथा जनसाधारण का उनके संरक्षण और बैंक के प्रति दर्षाए गए उनके विष्वास के लिए आभार प्रकट करता है।

निदेषक मंडल बैंक के सर्वांगीण विकास, प्रगति और समृद्धि में प्रत्येक स्टाफ सदस्य द्वारा दिखाई गई प्रतिबद्धता, योगदान और समर्पण भावना की सराहना करता है और आगामी वर्ष में कारपोरेट लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उनके निरंतर सहयोग और पूर्ण समर्थन की आषा रखता है।

मंडल के लिए और उनकी ओर से

नई दिल्ली
27 अप्रैल, 2009

(आलोक के मिश्रा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(c) reasonable and prudent judgment and estimates were made so as to give true and fair view of the state of affairs of the bank at the end of the financial year and of the profit of the bank for the year ended on 31st March 2009,

(d) proper and sufficient care was taken for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of applicable laws governing banks in India and the accounts have been prepared on a going concern basis.

ACKNOWLEDGEMENTS

The Board of Directors thank Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs and Reserve Bank of India and other Government & Regulatory Agencies for their valuable guidance and continued support provided to the Bank throughout the year. The Board of Directors are also grateful to the valued customers, esteemed shareholders, stakeholders and public at large for their patronage and confidence reposed in the Bank.

The Board of directors place on record their great appreciation of the commitment, sense of involvement and dedication exhibited by each staff member in the overall development, growth and prosperity of the Bank and look forward to their continued support and whole-hearted co-operation for realization of the goals in the year ahead.

For and on behalf of the Board

New Delhi
27th April 2009

(ALOK K MISRA)
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR